

जैसे- पागल, बच्चे या स्त्री को छेड़ना 4. किसी को तंग करने के लिए उसके काम में अड़ंगा लगाना या बाधा खड़ी करना 5. किसी चीज को अकारण या व्यर्थ में छूना जिससे उसमें विकास उत्पन्न हो सकता हो जैसे- घाव या उसमें बंधी पट्टी को छेड़ना 6. किसी को कोई ऐसी बात (छेड़) बार-बार कहना जिससे कोई चिढ़ता हो 7. कोई कार्य या बात आरंभ करना जैसे- मकान की मरम्मत छेड़ना 8. संगीत में गीत, वाद्य आदि कलापूर्ण ढंग से आरंभ करना 9. चिकित्सा के क्षेत्र में, फोड़ा बहाने के लिए नशतर से उसका मुँह खोलना।

**छेड़वाना** सं.क्रि. (देश.) छेड़ने का काम दूसरे से करवाना।

**छेड़ी** स्त्री. (देश.) छोटी और तंग गली।

**छेत** पुं. (देश.) 1. अलग होने की क्रिया या भाव, पार्थक्य 2. वियोग 4. छेद।

**छेतना** स.क्रि. (तद्.) 1. छेदना, ठोंक-पीटकर कोई चीज तैयार करना या बनाना जैसे- चाँदी की गुल्ली से कड़ा छेता 2. अच्छी तरह मारना-पीटना या प्रहार करना जैसे- किसी का मुँह छेतना।

**छेति** स्त्री. (देश.) बाधा।

**छेत्त** वि. (देश.) छेद करने या छेदने-वाला।

**छेत्र** पुं. (देश.) सत्र (अन्नसत्र)।

**छेद** पुं. (तत्.) 1. काटने, छेड़ने या विभक्त करने की क्रिया या भाव जैसे- उच्छेद, विच्छेद 2. बकरे आदि मारने की झटका नाम की क्रिया 3. विनाश, बरबाद; पुं. (तद्.) 1. किसी वस्तु का दोनों ओर से खुला हुआ छोटा अंश, छिद्र, सुराख 2. किसी घन या ठोस वस्तु का वह गहरा स्थान जिसमें से उस वस्तु का कुछ अंश निकाल लिया गया हो जैसे- जमीन या दीवार में का छेद 3. विवर, बिल 4. दोष, दूषण।

**छेदक** वि. (तत्.) छेदने वाला।

**छेदन** पुं. (तत्.) छेदने की क्रिया या भाव।

**छेदनहार** वि. (देश.) छेदने वाला 2. काटने वाला 3. नष्ट करने या मिटाने वाला।

**छेदना** स.क्रि. (तद्.) 1. किसी तल में नुकीली वस्तु धंसाकर उसमें छेद या सुराख करना 2.

शरीर में क्षत या घाव करना जैसे- तीरों से किसी का शरीर छेदना 3. छिन्न करना, काटना।

**छेदनीय** वि. (तत्.) जिसका छेदन हो सकता हो या किया जाने को हो।

**छेदि** वि. (तत्.) छेद करने वाला पुं. बढ़ई।

**छेदिका** स्त्री. (तत्.) 1. छेदन करने वाली चीज या रेखा 2. ज्यामिति में वह रेखा जो किसी वक्र रेखा को दो या अधिक भागों में काटती हो।

**छेदित** भू.कृ. (तत्.) 1. जिसमें छेद किया गया हो, छेदा हुआ 2. कटा या काटा हुआ।

**छेना** पुं. (तद्.) फटे या फाड़े हुए दूध का वह गाढ़ा अंश जो उसका पानी निकाल देने पर बच रहता है।

**छेनी** स्त्री. (देश.) धातु, पत्थर आदि काटने का चौड़े फलवाला एक प्रसिद्ध उपकरण, टाँकी।

**क्षेम** पुं. (तत्.) क्षेम।

**क्षेमकरी** स्त्री. (तत्.) सफेद चील।

**छेर** स्त्री. (देश.) छेरी (बकरी)।

**छेरना** अ. (देश.) बार-बार पतला मल त्याग करना।

**छेरवा** पुं. (देश.) छुहारा।

**छेरा** पुं. (देश.) पतला मल, पतला दस्त पुं. (देश.) 1. बच्चा 2. बकरा।

**छेरी** स्त्री. (देश.) बकरी।

**छेलक** पुं. (तद्.) बकरा।

**छेलरा** पुं. (देश.) छैला।

**छेव** पुं. (तद्.) 1. किसी वस्तु के तल का कुछ अंश काटने या छीलने की क्रिया या भाव 2. कुछ विशिष्ट वृक्षों का रस निकालने के लिए उनके तने का कुछ अंश काटने या छीलने की क्रिया या भाव 3. प्रहार, वार 4. चोट, घाव 5. नाश 6. मृत्यु 7. विपत्ति, संकट 8. कपटपूर्ण व्यवहार।

**छेवना** स.क्रि. (देश.) 1. किसी चीज में छेव लगाना 2. आघात, प्रहार या वार करना 3. चोट पहुँचाना 4. कष्ट आदि झेलना या सहना जैसे- अपने जी पर छेवना 5. फेंकना सं. (तद्.) 1. काटना 2. चिह्न लगाना।

**छेवला** पुं. (देश.) पलाश का वृक्ष।